चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 17 जुलाई 2026, अंक –313.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

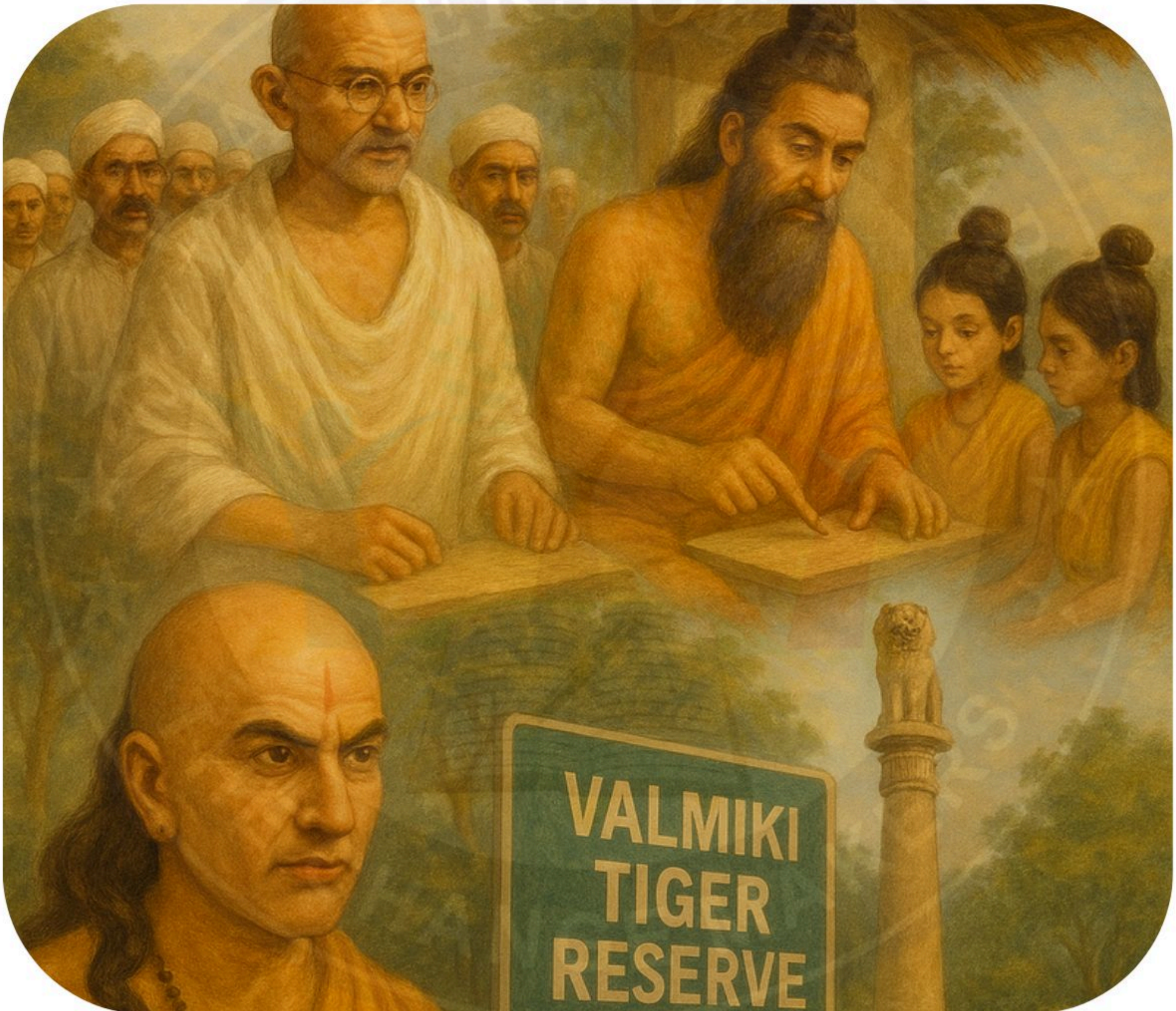

"सीखने की प्रक्रिया कभी समाप्त नहीं होती।"
— डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

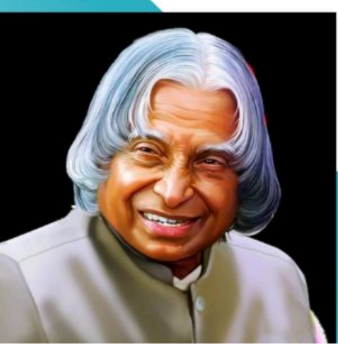

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Friday Prayer

लब पे आती है दुआ बनके तमन्ना मेरी,
जिंदगी शम्मे की सूरत हो खुदाया मेरी।

हो मेरे दम से यूं ही मेरे वतन की ज़ीनत,
जिस तरह फूल से होती है चमन की ज़ीनत।

जिंदगी हो मेरी परवान की सूरत या रब,
इल्म की शम्मा से हो मुझको मोहब्बत या रब।

हो मेरा काम ग़रीबों की हिमायत करना,
दर्दमंदों से जइफों से मोहब्बत करना।

मेरे अल्लाह बुराई से बचना मुझको,
नेक जो राह हो उस रह पे चलाना मुझको।

-मोहम्मद आलम इक़बाल

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह —
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. यूनाइटेड किंगडम (United Kingdom) की संसद (Parliament) का क्या नाम है?
उत्तर: संसद (Parliament)
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला आईपीएस (IPS) अधिकारी कौन थीं?
उत्तर: किरण बेदी
प्रश्न 3. 'भांगड़ा' किस राज्य का प्रसिद्ध लोकनृत्य है?
उत्तर: पंजाब
प्रश्न 4. रोमन अंक 'XC' का मान क्या है?
उत्तर: 90
प्रश्न 5. बिहार का प्रसिद्ध 'गिद्धौर' क्षेत्र किस कृषि उत्पाद के लिए जाना जाता है?
उत्तर: लाल चावल
प्रश्न 6. जिमकॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: उत्तराखंड
प्रश्न 7. दूरबीन (Astronomical Telescope) के विकास का श्रेय किस वैज्ञानिक को दिया जाता है?
उत्तर: गैलीलियो गैलीली
प्रश्न 8. भारतीय संविधान के अनुसार भारत में कितने स्तर की पंचायती राज व्यवस्था है?
उत्तर: तीन स्तर
प्रश्न 9. 'कमल' का विलोम शब्द क्या है?
उत्तर: कोई विलोम नहीं
प्रश्न 10. मानव शरीर में रक्त को पंप करने वाला अंग कौन-सा है?
उत्तर: हृदय

संकलन:-
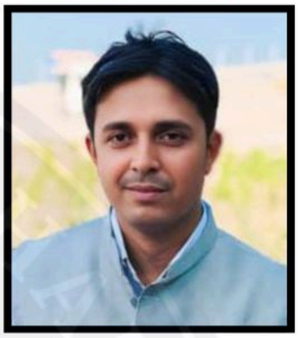
पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Snake – (स्नेक) – साँप
Crocodile – (क्रोकोडाइल) – मगरमच्छ
Tortoise – (टॉर्टोइस) – कछुआ
Lizard – (लिज़र्ड) – छिपकली
Frog – (फ्रॉग) – मेंढक
Butterfly – (बटरफ्लाई) – तितली
Bee – (बी) – मधुमक्खी

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: Imperative Sentences (घर में बोले जाने वाले वाक्य)

दरवाज़ा बंद करो। – Close the door.
हाथ धोओ। – Wash your hands.
जल्दी आओ। – Come quickly.
पानी पी लो। – Drink some water.
समय पर सो जाओ। – Go to bed on time.

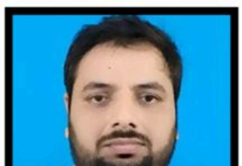
संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. (महत्वपूर्ण दिवस)
17 जुलाई को कौन सा महत्वपूर्ण दिवस मनाया जाता है?
उत्तर: अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस (World Day for International Justice)
व्याख्या: प्रतिवर्ष 17 जुलाई को "अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस" (World Day for International Justice) मनाया जाता है। यह दिवस 17 जुलाई 1998 को "रोम संविधि" (Rome Statute) को अपनाने की वर्षगाँठ मनाता है जिसके द्वारा "अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय" (International Criminal Court — ICC) की स्थापना की गई। ICC विश्व का पहला स्थायी अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय है जो नरसंहार, मानवता के विरुद्ध अपराध, युद्ध अपराध और आक्रामकता के अपराध पर अभियोजन करता है। इसका मुख्यालय हेग (नीदरलैंड) में है। रोम संविधि 1 जुलाई 2002 को प्रभावी हुई। भारत ने रोम संविधि पर हस्ताक्षर किए हैं किंतु इसे अभी अनुमोदित नहीं किया है।
संदर्भ: vedantu.com — Important Days in July 2026;

प्र.2. (समसामयिक घटना)
FIFA विश्व कप 2026 के पहले सेमीफाइनल में किसने फ्रांस को 2-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया और दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड और अर्जेंटीना का मुकाबला 15 जुलाई 2026 को हुआ — इस विश्व कप में पहली बार कुल कितनी टीमें खेल रही हैं?
उत्तर: स्पेन; 48 टीमें
व्याख्या: FIFA विश्व कप 2026 के पहले सेमीफाइनल में स्पेन ने फ्रांस को 2-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया — यह 2010 के बाद पहली बार था जब स्पेन विश्व कप फाइनल में पहुँचा। दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड और अर्जेंटीना का महामुकाबला 15 जुलाई 2026 को निर्धारित था। FIFA विश्व कप 2026 अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको — तीन देशों में संयुक्त रूप से आयोजित हो रहा है। यह पहला संस्करण है जिसमें 48 टीमें भाग ले रही हैं (पूर्व में 32)। 104 मैच खेले जाएँगे। विश्व कप का फाइनल 19 जुलाई 2026 को होगा। FIFA विश्व कप 1930 में उरुग्वे में पहली बार आयोजित हुआ था। ब्राजील (5), जर्मनी (4), इटली (4), अर्जेंटीना (3) और फ्रांस (2) अब तक सर्वाधिक विश्व कप जीतने वाले देश हैं। (StudyIQ)
संदर्भ: studyiq.com FIFA World Cup Winners List, 15 July 2026;

प्र.3. "मालगुडी डेज़" (Malgudi Days) के लेखक कौन हैं जो भारतीय अंग्रेजी साहित्य के तीन महान स्तंभों (ट्रिनिटी) में से एक माने जाते हैं? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: आर.के. नारायण
व्याख्या: "मालगुडी डेज़" (Malgudi Days) प्रसिद्ध भारतीय अंग्रेजी लेखक रासीपुरम कृष्णस्वामी नारायण (R.K. Narayan, 1906-2001) की एक प्रसिद्ध कहानी-संग्रह है। उन्होंने "मालगुडी" नामक एक काल्पनिक दक्षिण भारतीय नगर की रचना की जहाँ उनकी अधिकांश रचनाओं की कथाएँ घटित होती हैं। R.K. नारायण, मुल्क राज आनंद और राजा राव — इन तीनों को भारतीय अंग्रेजी साहित्य की "त्रयी" (Trinity) कहा जाता है। नारायण की अन्य प्रसिद्ध कृतियों में "The Guide" (साहित्य अकादमी पुरस्कार 1960), "Swami and Friends", "The Painter of Signs" सम्मिलित हैं। "The Guide" पर हिंदी फिल्म "गाइड" (1965) बनी थी। उन्हें 1980 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।

प्र.4. (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग) "जैव आवर्धन" (Biomagnification) क्या है और यह खाद्य श्रृंखला में किस प्रकार कार्य करता है?
उत्तर: हानिकारक पदार्थों का उच्च पोषी स्तर पर सांद्रण
व्याख्या: जैव आवर्धन (Biomagnification) वह प्रक्रिया है जिसमें DDT जैसे हानिकारक रासायनिक पदार्थ खाद्य श्रृंखला के प्रत्येक पोषी स्तर पर अधिकाधिक सांद्रित (concentrated) होते जाते हैं। उदाहरण: जल में DDT → जलीय पौधों में अधिक → मछलियों में और अधिक → बड़ी मछलियों में और → मनुष्य या पक्षियों में सर्वाधिक। यह इसलिए होता है क्योंकि ये पदार्थ वसा में घुलनशील होते हैं और शरीर से बाहर नहीं निकलते। DDT के कारण ही कुछ शिकारी पक्षियों में अंडे के खोल पतले होने लगे। NCERT में "ऑस्प्रे" पक्षी और DDT का उदाहरण दिया गया है। इसीलिए अनेक देशों ने DDT पर प्रतिबंध लगाया।
संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 15 Our Environment, p. 200–202.

प्र.5. (इतिहास)
"स्थायी बंदोबस्त" (Permanent Settlement, 1793) किसने लागू किया और इसके अंतर्गत ज़मींदारों की क्या भूमिका निर्धारित की गई?
उत्तर: लॉर्ड कॉर्नवालिस; भू-राजस्व संग्राहक
व्याख्या: स्थायी बंदोबस्त (Permanent Settlement) 1793 में गवर्नर-जनरल लॉर्ड कॉर्नवालिस ने बंगाल, बिहार और उड़ीसा में लागू किया। इसके अंतर्गत ज़मींदारों को भूमि का स्थायी स्वामी मान लिया गया और एक निश्चित भू-राजस्व कंपनी को देने की शर्त पर उनका अधिकार मान्य किया गया। ज़मींदार सरकार और किसानों के बीच मध्यस्थ बन गए। यदि वे निश्चित तिथि तक राजस्व न चुका पाएँ तो उनकी ज़मींदारी नीलाम हो सकती थी। इससे अनेक पुराने ज़मींदार परिवार बर्बाद हुए और नए व्यापारी वर्ग के लोग ज़मींदार बने। किसानों की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ — यह पद्धति उनके शोषण का आधार बनी।
संदर्भ: NCERT History Class 8, Ch 3 Ruling the Countryside, p. 32–35.

प्र.6. (भूगोल) "ज्वारनदमुख" (Estuary) और "डेल्टा" में क्या अंतर है — भारत की कौन सी नदियाँ डेल्टा और कौन सी ज्वारनदमुख बनाती हैं?
उत्तर: समुद्र में विस्तृत मुहाना = ज्वारनदमुख; त्रिभुजाकार भूमि = डेल्टा; कावेरी/गंगा — डेल्टा; नर्मदा/तापी — ज्वारनदमुख
व्याख्या: जब कोई नदी समुद्र में मिलने से पहले अपने मुहाने पर चौड़ी और कीप-आकार की खाड़ी बनाती है, उसे "ज्वारनदमुख" (Estuary) कहते हैं। जब नदी समुद्र में मिलते समय अपने साथ लाए अवसाद जमा करके त्रिभुजाकार भू-भाग बनाती है, उसे "डेल्टा" कहते हैं। पूर्व की ओर बहने वाली नदियाँ (गंगा, ब्रह्मपुत्र, महानदी, कावेरी) — डेल्टा बनाती हैं। पश्चिम की ओर बहने वाली नदियाँ (नर्मदा, तापी) — ज्वारनदमुख बनाती हैं क्योंकि पश्चिमी तट पर तीव्र ढाल के कारण नदियाँ अवसाद जमा नहीं कर पातीं।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9, Ch 3 Drainage, p. 26–29.

प्र.7. (राजनीति एवं संविधान) "सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार" (Universal Adult Franchise) का क्या अर्थ है और इसे किस आयु में प्राप्त किया जाता है?
उत्तर: सभी वयस्क नागरिकों को मत देने का अधिकार; 18 वर्ष
व्याख्या: "सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार" (Universal Adult Franchise) का अर्थ है कि भारत के सभी वयस्क नागरिकों को — चाहे वे किसी भी जाति, धर्म, लिंग, वर्ण या आर्थिक स्थिति के हों — चुनाव में मतदान का समान अधिकार है। भारत में 18 वर्ष की आयु पूरी होने पर यह अधिकार मिलता है। मूल संविधान में मताधिकार की आयु 21 वर्ष थी जिसे 61वें संविधान संशोधन (1988) द्वारा घटाकर 18 वर्ष किया गया। भारत ने स्वतंत्रता के साथ ही 1950 में बिना किसी भेदभाव के सार्वभौमिक मताधिकार अपनाया — यह एक क्रांतिकारी निर्णय था क्योंकि उस समय अनेक यूरोपीय देशों में भी संपत्ति या शैक्षणिक योग्यता की शर्त थी।
संदर्भ: NCERT Political Science Class 9, Ch 3 Electoral Politics, p. 46–49;

प्र.8. (विज्ञान) "किण्वन" (Fermentation) क्या है — यह किस सूक्ष्मजीव की सहायता से होता है और इसका दैनिक जीवन में क्या उपयोग है?
उत्तर: ऑक्सीजन की अनुपस्थिति में शर्करा का अपघटन; यीस्ट; ब्रेड/डोसा/दही निर्माण
व्याख्या: किण्वन (Fermentation) एक जैव-रासायनिक प्रक्रिया है जिसमें यीस्ट (Saccharomyces cerevisiae) जैसे सूक्ष्मजीव ऑक्सीजन की अनुपस्थिति (अनॉक्सी श्वसन) में शर्करा (ग्लूकोज) को एथेनॉल (C_2H_5OH) और कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) में बदल देते हैं। समीकरण: $C_6H_{12}O_6 \rightarrow 2C_2H_5OH + 2CO_2$। इसका दैनिक जीवन में उपयोग: ब्रेड बनाने में CO_2 बुलबुले आटे को फुलाते हैं; डोसा/इडली का खमीर उठाने में जीवाणु सहायक होते हैं; दही में लैक्टोबैसिलस दूध की शर्करा को लैक्टिक अम्ल में बदलता है। यीस्ट "कवक" (Fungi) वर्ग का एकल कोशिकीय जीव है।
संदर्भ: NCERT Science Class 8, Ch 2 Microorganisms Friend and Foe, p. 18–22;

प्र.9. "अजंता की गुफाएँ" किस राज्य में हैं, किस काल की हैं और इनमें मुख्यतः किस धर्म से संबंधित चित्रकारी है?
उत्तर: महाराष्ट्र; मौर्य से वाकाटक काल (200 ईपू–650 ईसवी); बौद्ध धर्म
व्याख्या: अजंता की गुफाएँ महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में सह्याद्रि पर्वत की वागोरा नदी घाटी में स्थित हैं। इनमें कुल 30 गुफाएँ हैं जो मुख्यतः लगभग 200 ईपू से 650 ईसवी (मौर्य से वाकाटक काल) के बीच निर्मित हुईं। इनमें भगवान बुद्ध के जीवन और जातक कथाओं (पूर्व जन्मों की कहानियाँ) को चित्रित किया गया है। "पद्मपाणि" और "वज्रपाणि" अजंता के सबसे प्रसिद्ध भित्तिचित्र हैं। इन गुफाओं में भित्तिचित्र (Fresco) और शैलकृत्त (Rock-cut) वास्तुकला का अद्भुत संगम है। UNESCO ने 1983 में इन्हें विश्व धरोहर स्थल घोषित किया।
संदर्भ: NCERT History Class 6, Ch 11 Buildings Paintings and Books, p. 128–130;

प्र.10. (बिहार सामान्य ज्ञान) "गया जिला" हिंदुओं के लिए सर्वाधिक पवित्र "पितृपक्ष तर्पण" का केंद्र क्यों है — और यहाँ का "विष्णुपाद मंदिर" किसके चरण चिह्न के लिए प्रसिद्ध है?
उत्तर: भगवान विष्णु के चरण चिह्न; पितरों की मुक्ति हेतु
व्याख्या: गया (बिहार) को हिंदू धर्म में "मोक्षधाम" माना जाता है। हिंदू मान्यता के अनुसार गया में "पिंडदान" और "श्राद्ध" करने से पूर्वजों को मोक्ष प्राप्त होता है। वाल्मीकि रामायण और महाभारत में गया का उल्लेख मिलता है। "विष्णुपाद मंदिर" फल्गु नदी के तट पर स्थित है जिसमें भगवान विष्णु के चरण-चिह्न (विष्णु-पाद) पर एक चाँदी की थाली लगाई गई है। पितृपक्ष में (भाद्रपद अमावस्या के 16 दिन पहले से) लाखों श्रद्धालु यहाँ आते हैं। गया जिले में ही "बोधगया" स्थित है — अतः यह क्षेत्र हिंदू और बौद्ध दोनों धर्मों का तीर्थस्थल है।
संदर्भ: Bihar Tourism Official Portal — Gaya; NCERT Social Science Class 7, Ch 9 Devotional Paths to the Divine;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम – बाढ़/जुलाई)
मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के जुलाई माह के बाढ़ सुरक्षा मॉड्यूल के अनुसार, बाढ़ के दौरान विद्यालय में "नाव द्वारा निकासी" (Boat Evacuation) की आवश्यकता पड़ने पर बच्चों को कौन से 4 प्रमुख सुरक्षा नियम पालने चाहिए?
उत्तर: लाइफ जैकेट पहनें, नाव के किनारे न झुकें, खड़े न हों, नाव में भार सीमा का पालन करें
व्याख्या: BSDMA के बाढ़ सुरक्षा मॉड्यूल (जुलाई W4) के अनुसार, अत्यधिक बाढ़ की स्थिति में जब सड़क मार्ग से निकासी संभव न हो तो NDRF/SDRF की नावों द्वारा बच्चों को निकाला जाता है। इस दौरान बच्चों को निम्न 4 नियम अनिवार्यतः पालने चाहिए: (1) लाइफ जैकेट (Life Jacket) अनिवार्य रूप से पहनें – यह तैरना न जानने वालों की जान बचाती है; (2) नाव के किनारे पर न झुकें – असंतुलन से नाव पलट सकती है; (3) नाव में खड़े न हों – बैठे रहें; (4) भार सीमा का पालन करें – अधिक बच्चों को एक साथ न बैठाएँ। शिक्षक का कर्तव्य है कि वह बच्चों की गिनती करे और सुनिश्चित करे कि कोई पीछे न छूटे।
संदर्भ: BSDMA Flood Boat Evacuation Safety Module, July W4; bsdma.org

प्र.12. (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)
यदि ROSE को TQUG लिखा जाए तो LEMON को उसी कूट-भाषा में क्या लिखेंगे?
उत्तर: NGOOQ
व्याख्या: नियम पहचानें: R→T (+2), O→Q (+2), S→U (+2), E→G (+2)। अर्थात् प्रत्येक अक्षर में 2 जोड़ा जाता है। LEMON पर लागू करें: L+2=N, E+2=G, M+2=O, O+2=Q, N+2=P। अतः LEMON = NGOQP। ध्यान दें: O→Q(+2) और N→P(+2)। अतः LEMON = N-G-O-Q-P। यह "अक्षर कूट" (Letter Coding) का प्रश्न है जो SSC CGL, Railway, BPSC Prelims, Bank PO सभी परीक्षाओं की "Reasoning" में अत्यंत प्रचलित है। नियम: वर्णमाला में प्रत्येक अक्षर का एक निश्चित क्रमांक होता है (A=1, B=2...Z=26) और उसमें एक निश्चित संख्या जोड़ने/घटाने से कूट बनता है।
संदर्भ: Verbal Reasoning – R.S. Aggarwal, Ch Coding-Decoding;

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण ।

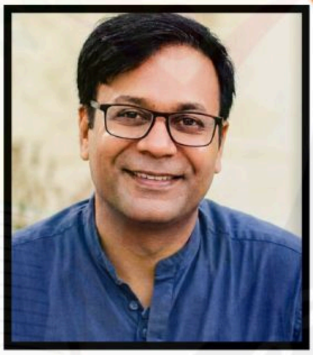

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Recalcitrant (रिकैल्सिट्रन्ट) = Rebellious (रिबेलियस) = हठी / आज्ञा न मानने वाला
    Antonym – Obedient (ओबीडियन्ट) = आज्ञाकारी
Sagacious (सगेशस) = Wise (वाइज़) = बुद्धिमान / विवेकशील
    Antonym – Foolish (फूलिश) = मूर्ख
Tenacious (टेनेशस) = Persistent (परसिस्टेन्ट) = दृढ़ / लगातार प्रयास करने वाला
    Antonym – Irresolute (इर्रेज़ोल्यूट) = अनिर्णयग्रस्त / दृढ़ता की कमी वाला
Urbane (अर्बेन) = Courteous (कर्टियस) = शिष्ट / सुसंस्कृत
    Antonym – Boorish (बूरिश) = असभ्य / गंवार
Vociferous (वोसिफेरस) = Loud (लाउड) = ऊँची आवाज़ में बोलने वाला / मुखर
    Antonym – Subdued (सबड्यूड) = शांत / मृदुभाषी

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: Ministry of Health Launches 'Pradhan Mantri Ayushman Digital Infrastructure Mission (PM-ADIM)' to Strengthen Real-Time Telemedicine and Rural Health Grids.
हिन्दी अनुवाद: स्वास्थ्य मंत्रालय ने वास्तविक समय (रियल-टाइम) टेलीमेडिसिन और ग्रामीण स्वास्थ्य ग्रिड को मजबूत करने के लिए 'प्रधानमंत्री आयुष्मान डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन (PM-ADIM)' का शुभारंभ किया।
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने देश के दूरदराज के इलाकों में प्राथमिक चिकित्सा सेवाओं को डिजिटल रूप से जोड़ने के लिए एक नए मिशन की घोषणा की है। इस योजना के तहत उप-स्वास्थ्य केंद्रों (Sub-Centres) को हाई-स्पीड सैटेलाइट इंटरनेट से जोड़ा जाएगा, जिससे ग्रामीण मरीजों को सीधे बड़े शहरों के विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श मिल सकेगा।

English Headline: NITI Aayog Unveils 'National Strategy on Rare Earth Elements (REE) 2026' to Establish Indigenous Processing Hubs and Reduce Import Dependency.
हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने स्वदेशी प्रसंस्करण हब स्थापित करने और आयात निर्भरता को कम करने के लिए 'दुर्लभ मृदा तत्व (REE) राष्ट्रीय रणनीति 2026' का अनावरण किया।
पवन ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहनों और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स में उपयोग होने वाले महत्वपूर्ण खनिज (क्रिटिकल मिनरल्स) के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लिए नीति आयोग ने एक विस्तृत रोडमैप जारी किया है। इस रणनीति के तहत निजी कंपनियों को देश के भीतर ही दुर्लभ मृदा तत्वों के निष्कर्षण और शोधन (प्रोसेसिंग) के लिए वित्तीय प्रोत्साहन (PLI योजना के तहत) दिया जाएगा।

English Headline: Ministry of Science and Technology Approves 'National Green Hydrogen Grid Phase-I' Connecting Key Clean Energy Corridors Across India.
हिन्दी अनुवाद: विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने भारत भर के प्रमुख स्वच्छ ऊर्जा गलियारों को जोड़ने वाले 'राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन ग्रिड चरण-I' को मंजूरी दी।
भारत के नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन लक्ष्यों को गति प्रदान करने के लिए केंद्र सरकार ने देश के पहले समर्पित ग्रीन हाइड्रोजन पाइपलाइन ग्रिड को मंजूरी दी है। यह ग्रिड मुख्य रूप से गुजरात, राजस्थान और तमिलनाडु के सौर एवं पवन ऊर्जा क्षेत्रों को औद्योगिक केंद्रों से जोड़ेगा, जिससे लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आएगी।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: UN Security Council Unanimously Passes Resolution to Establish Guidelines for Mitigating Climate Security Risks in the Polar Regions.
हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) ने ध्रुवीय क्षेत्रों में जलवायु सुरक्षा जोखिमों को कम करने के लिए दिशानिर्देश स्थापित करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया।
न्यूयॉर्क में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में सुरक्षा परिषद के सभी सदस्य देशों ने आर्कतिक और अंटार्कटिक क्षेत्रों में तेजी से पिघलती बर्फ के कारण उत्पन्न होने वाली भू-राजनीतिक और पर्यावरणीय चुनौतियों पर चिंता व्यक्त की। इस नए प्रस्ताव के तहत ध्रुवीय मार्गों पर व्यापारिक जहाजों के सुचारू संचालन और पर्यावरणीय सुरक्षा मानकों को सुदृढ़ किया जाएगा।

English Headline: International Monetary Fund (IMF) Upgrades India's GDP Growth Forecast to 7.2% for FY 2026-27, Citing Strong Domestic Demand and Manufacturing Output.
हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ने मजबूत घरेलू मांग और विनिर्माण उत्पादन का हवाला देते हुए वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 7.2% किया।
आईएमएफ (IMF) ने अपने विश्व आर्थिक आउटलुक (WEO) के ताजा अपडेट में भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन और त्वरित ढांचागत सुधारों की सराहना की है। वैश्विक स्तर पर जारी आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच भारत एक बार फिर दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

English Headline: World Health Organization (WHO) Launches Global Coalition 'Action Against Arboviruses (AAA)' to Intercept Dengue and Zika Outbreaks.
हिन्दी अनुवाद: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने डेंगू और जीका के प्रकोप को रोकने के लिए वैश्विक गठबंधन 'एक्शन अगेंस्ट अर्बोवायरस (AAA)' की शुरुआत की।
can do
जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ते वैश्विक तापमान के चलते मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों (अर्बोवायरस) का दायरा नए क्षेत्रों में फैल रहा है। इससे निपटने के लिए डब्ल्यूएचओ (WHO) ने एक विशेष गठबंधन की घोषणा की है, जो नई पीढ़ी के टीकों के विकास और त्वरित नियंत्रण रणनीतियों के लिए सदस्य देशों को वित्तीय सहायता प्रदान करेगा।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Cabinet Approves Comprehensive 'Astro-Tourism Policy 2026' to Establish Dedicated Dark Sky Reserves and Observatories in Rajgir and Valmikinagar.

हिन्दी अनुवाद: बिहार कैबिनेट ने राजगीर और वाल्मीकिनगर में समर्पित डार्क स्काई रिजर्व और वेधशालाएं स्थापित करने के लिए व्यापक 'एस्ट्रो-टूरिज्म नीति 2026' को मंजूरी दी।

राज्य में पर्यटन की संभावनाओं को नई दिशा देते हुए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस विशेष नीति को मंजूरी दी गई है। इसके तहत राजगीर और वाल्मीकि वन्यजीव अभ्यारण्य के प्रदूषण-मुक्त क्षेत्रों में खगोलीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आधुनिक वेधशालाएं और दूरबीन केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जो विशेष रूप से विज्ञान के छात्रों और पर्यटकों को आकर्षित करेंगे।

English Headline: Bihar Department of Water Resources Rolls Out 'Nirmal Ganga-Clean Sone Integrated Canal Initiative' to Rejuvenate Major Irrigation Channels in South Bihar.

हिन्दी अनुवाद: बिहार जल संसाधन विभाग ने दक्षिण बिहार में प्रमुख सिंचाई नहरों के पुनरुद्धार के लिए 'निर्मल गंगा-स्वच्छ सोन एकीकृत नहर पहल' की शुरुआत की।

कृषि उत्पादन को बढ़ाने और जल संकट से निपटने के लिए विभाग ने दक्षिण बिहार की नहर प्रणालियों के आधुनिकीकरण का काम शुरू किया है। इस परियोजना के तहत सोन नदी से जुड़ी पुरानी सिंचाई नहरों की गाद निकाली जाएगी और उनके किनारों को पक्का किया जाएगा, जिससे हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि को समय पर सिंचाई का पानी मिल सकेगा।

SPORTS NEWS

English Headline: India’s Grandmaster D. Gukesh Clinches the Elite Chess Masters Trophy 2026 in Geneva, Crossing the Historic 2800 FIDE Rating Barrier.

हिन्दी अनुवाद: भारत के ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश ने जेनेवा में एलीट चेस मास्टर्स ट्रॉफी 2026 जीती, और ऐतिहासिक 2800 फिडे (FIDE) रेटिंग का आंकड़ा पार किया।

भारतीय शतरंज खिलाड़ी डी. गुकेश ने विश्व स्तर पर एक बार फिर इतिहास रच दिया है। जेनेवा में खेले गए सुपर-टूर्नामेंट के फाइनल राउंड में शानदार खेल दिखाते हुए उन्होंने दुनिया के शीर्ष क्रम के खिलाड़ियों को मात दी और 2800 रेटिंग अंक की विशिष्ट श्रेणी में शामिल होने वाले सबसे युवा भारतीय बन गए हैं।

English Headline: International Cricket Council (ICC) Grants Host Rights of the Upcoming Women's T20 Asia Cup 2026 to Sri Lanka, Set to Feature 8 Nations.

हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने आगामी महिला टी-20 एशिया कप 2026 की मेजबानी के अधिकार श्रीलंका को सौंपे, जिसमें 8 देश भाग लेंगे।

महिला क्रिकेट के विकास को बढ़ावा देने के लिए एशियाई क्रिकेट परिषद के परामर्श से आईसीसी ने श्रीलंका को टूर्नामेंट की मेजबानी सौंपी है। यह टूर्नामेंट पूरी तरह से आधुनिक खेल मानकों और डीआरएस (DRS) प्रणालियों के तहत खेला जाएगा, जो क्षेत्र में महिला एथलीटों के प्रदर्शन के स्तर को बढ़ाएगा।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

🎯 "परिश्रम वह सोना है जो हर कसौटी पर खरा उतरता है — पढ़ते रहो, बढ़ते रहो।"

BPSC 72वीं CCE: 26 जुलाई 2026 — अब मात्र 12 दिन शेष। अंतिम तैयारी में जुट जाएँ!

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

सही फैसला

(17 जुलाई – अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस विशेष)

विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी की तैयारी चल रही थी। सभी बच्चे अपने-अपने मॉडल बनाने में जुटे थे। राजू और मोहित ने मिलकर वर्षा जल संचयन का एक सुंदर मॉडल तैयार किया।
अगले दिन कक्षा में अचानक वह मॉडल टूट गया। पास में खड़ा छोटू घबरा गया। खेलते समय उसका हाथ गलती से मॉडल से टकरा गया था। डर के कारण वह चुपचाप अपनी जगह जाकर बैठ गया।
कुछ ही देर में गीता मैडम कक्षा में पहुँचीं। उन्होंने टूटा हुआ मॉडल देखा और पूछा, “यह किससे टूटा?”
पूरी कक्षा में सन्नाटा छा गया।
छोटू का मन तेज़ी से धड़क रहा था। वह जानता था कि सच बताने पर डाँट पड़ सकती है। तभी राजू खड़ा हुआ और बोला, “मैडम, जिसने भी गलती की है, यदि वह सच बता देगा तो हम सब मिलकर मॉडल फिर से बना लेंगे।”
राजू की बात सुनकर छोटू की हिम्मत बढ़ी। वह धीरे से खड़ा हुआ और बोला, “मैडम, मुझसे गलती हो गई। मैंने जानबूझकर नहीं तोड़ा।”
गीता मैडम मुस्कुराईं। उन्होंने छोटू को डाँटा नहीं। बल्कि पूरी कक्षा से बोलीं, “आज सबसे बड़ी बात यह नहीं कि मॉडल टूटा, बल्कि यह है कि सच बोलने का साहस जीवित है।”
फिर उन्होंने सभी बच्चों से कहा, “न्याय का अर्थ केवल गलती करने वाले को दंड देना नहीं है। न्याय यह भी है कि गलती और दुर्घटना में अंतर समझा जाए, सच बोलने वाले का सम्मान किया जाए और मिलकर समस्या का समाधान निकाला जाए।”
पूरी कक्षा ने मिलकर मॉडल फिर से तैयार किया। प्रदर्शनी में उसी मॉडल को प्रथम पुरस्कार मिला।

प्रेरणा : न्याय केवल निर्णय देने में नहीं, बल्कि परिस्थिति को समझकर सही और निष्पक्ष निर्णय लेने में है।
"जहाँ सत्य, संवेदनशीलता और निष्पक्षता साथ हों, वहीं सच्चा न्याय जन्म लेता है।"

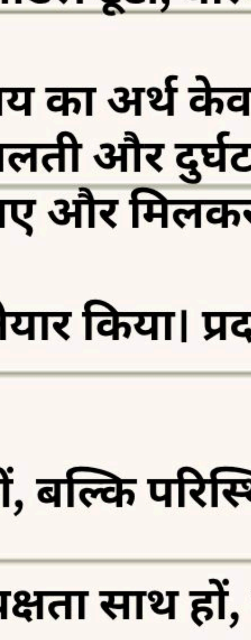

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

TEACHERS OF BIHAR THE CHANGE MAKERS

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) — डर से मुक्त, विकास से युक्त आकलन

शिक्षक साथियों, जब भी हम 'मूल्यांकन' या 'परीक्षा' शब्द सुनते हैं, तो हमारे दिमाग में तीन घंटे का एक बंद कमरा, हाथ में पेन लिए डरे हुए बच्चे और कॉपी जांचते हुए कड़क शिक्षक की छवि उभरती है। पारंपरिक व्यवस्था में परीक्षा को एक 'डराने वाले औजार' के रूप में देखा जाता रहा है, जिसका उद्देश्य केवल बच्चों को 'पास' या 'फेल' का ठप्पा लगाना था। लेकिन राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) और NCF स्पष्ट कहते हैं कि शिक्षा का उद्देश्य बच्चों को डराना नहीं, बल्कि उनका सर्वांगीण विकास करना है। इसी उद्देश्य के लिए सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (Continuous and Comprehensive Evaluation - CCE) की अवधारणा लाई गई है।

CCE कोई अतिरिक्त कागज़ी काम या परीक्षाओं का नया बोझ नहीं है। इसके नाम में ही इसका असली जादू छिपा है:

1. सतत (Continuous): इसका मतलब है कि मूल्यांकन साल में सिर्फ एक या दो बार (अर्धवार्षिक या वार्षिक) नहीं होगा, बल्कि यह रोज़ाना होगा। जब आप कक्षा में पढ़ा रहे होते हैं, बच्चे से सवाल पूछते हैं, या उसे कोई गतिविधि करते हुए देखते हैं, वह सब सतत मूल्यांकन का हिस्सा है। यह सीखने के बाद नहीं, बल्कि सीखने के दौरान चलता है।
2. व्यापक (Comprehensive): इसका मतलब है कि हम केवल बच्चे की किताबी समझ (रटने की क्षमता) को नहीं जांचेंगे, बल्कि उसके व्यक्तित्व के सभी पक्षों—जैसे उसका व्यवहार, खेलकूद, चित्रकला, टीम भावना, करुणा और सहयोग जैसे सह-शैक्षिक (Co-scholastic) क्षेत्रों का भी आकलन करेंगे।

उदाहरण:

आइए इसे अपनी कक्षा 3 की भाषा (हिन्दी) की अवधि के एक छोटे से उदाहरण से समझते हैं कि कैसे CCE पारंपरिक परीक्षा से अलग काम करता है।

- पारंपरिक तरीका: आप पाठ खत्म होने के एक महीने बाद 20 नंबर का एक लिखित टेस्ट लेते हैं। 'अमन' नाम का एक बच्चा उस दिन बीमार होने के कारण या डर के मारे प्रश्नों के उत्तर नहीं लिख पाता और उसे 5 नंबर मिलते हैं। रिपोर्ट कार्ड पर उसे 'कमजोर' घोषित कर दिया जाता है।
- CCE का तरीका (वास्तविक आकलन): आप पाठ पढ़ाते समय अमन को ध्यान से देखते हैं। जब आप कहानी सुना रहे थे, तो अमन ने सबसे पहले हाथ उठाकर एक मज़ेदार सवाल पूछा था (यानी उसकी सुनने और समझने की क्षमता बेहतरीन है)। जब समूहों में चार्ट बनाने का काम हुआ, तो अमन ने आगे बढ़कर रंगों का चुनाव किया और अपने साथियों की मदद की (यानी उसमें सहयोग और कलात्मक कौशल है)।

अब शिक्षक के पास अमन की डायरी (Anecdotal Record) में यह नोट है कि अमन लिखना थोड़ा धीमा सीख रहा है, लेकिन उसकी मौखिक अभिव्यक्ति और सामाजिक कौशल बहुत अच्छे हैं। यह CCE है, जहाँ एक टेस्ट का नंबर बच्चे के पूरे भविष्य का फैसला नहीं करता।

शिक्षक साथियों, CCE को अपनी कक्षा में प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए हमें दो मुख्य बातें समझनी होंगी:

- आकलन 'सीखने के लिए' हो, न कि 'सीखने का': हमारा उद्देश्य यह जानना होना चाहिए कि बच्चे को कहाँ कठिनाई हो रही है ताकि हम अपनी शिक्षण विधि को बदल सकें। अगर पूरी कक्षा एक सवाल का गलत उत्तर दे रही है, तो इसका मतलब है कि परीक्षा बच्चे की नहीं, बल्कि शिक्षक के पढ़ाने के तरीके की है।
- विविध उपकरणों का उपयोग: केवल पेन-पेपर टेस्ट पर निर्भर न रहें। बच्चों के पोर्टफोलियो (Portfolio - उनके साल भर के बेहतरीन काम का संग्रह), अवलोकन (Observation), खेल-गतिविधियाँ और स्व-मूल्यांकन (Self-assessment - जहाँ बच्चा खुद बताए कि उसने क्या सीखा) का उपयोग करें।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि मूल्यांकन बच्चों को 'छांटने' या 'दर्जा देने' की छलनी नहीं है, बल्कि यह उन्हें 'खोलने' और 'निखारने' का एक जरिया है। जब हम परीक्षा के डर को कक्षा से बाहर निकाल देते हैं, तो बच्चा खुलकर सांस लेता है और स्वाभाविक रूप से सीखने लगता है। आज चिंतन कीजिएगा कि क्या आपकी कक्षा के बच्चे परीक्षा के नाम से डरते हैं या उसे अपनी प्रगति जानने के एक मज़ेदार अवसर के रूप में देखते हैं?

..................✍️

मनोज कुमार झा

प्रधानाध्यापक

राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय

बेतिया, प. चम्पारण।

CHAMPARAN GYANAGRAH

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉज़िटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा ‘चंपारण ज्ञानाग्रह’

हि विशेष

चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे युरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

‘चंपारण–ज्ञानाग्रह’ शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : मुंगेर, अंक–3"

'संपादकीय'✍️

मुंगेर: चंडिका स्थान का शाक्त वैभव, जमालपुर की रेल विरासत और औद्योग धंधे

मुंगेर की सांस्कृतिक और सामाजिक समरसता का हृदय इसके पौराणिक मंदिरों और गंगा के पावन घाटों में धड़कता है, जिसमें माँ चंडिका स्थान का स्थान सर्वोपरि है। गंगा के उत्तर-वाहिनी मोड़ के समीप स्थित इस मंदिर को ५१ शक्तिपीठों में अत्यंत जाग्रत माना जाता है; पौराणिक मान्यताओं के अनुसार यहाँ माता सती की बाईं आँख गिरी थी। नेत्र रोगों से मुक्ति के लिए यहाँ दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं। इसके साथ ही, कष्टहरणी घाट, जहाँ माना जाता है कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम ने अपनी थकान मिटाई थी, और खड़गपुर पहाड़ियों की गोद में स्थित पीर शाह नफ़ा की मज़ार यहाँ की गहरी धार्मिक सहिष्णुता और 'गंगा-जमुनी तहजीब' के जीवंत प्रतीक हैं, जो मुंगेर के समाज को एक अटूट सूत्र में पिरोते हैं।

आर्थिक और औद्योगिक मोर्चे पर मुंगेर का इतिहास भारतीय तकनीकी पुनर्जागरण का गवाह रहा है। इस आर्थिकी का मुकुटमणि जमालपुर रेल कारखाना (Jamalpur Locomotive Workshop) है। सन 1862 में स्थापित यह कारखाना एशिया का सबसे पहला और विशालतम रेल कारखाना है, जिसने भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। जमालपुर ने देश को न केवल बेहतरीन रेल क्रेन और इंजन दिए, बल्कि यहाँ के 'जमालपुर इंस्टीट्यूशन' ने देश को उच्च कोटि के मैकेनिकल इंजीनियर भी सौंपे। इसके समांतर, मुशहरी बेल्ट में स्थित आईटीसी (ITC) की ऐतिहासिक सिगरेट फैक्ट्री और मुंगेर गन फैक्ट्री (बंदूक निर्माण क्लस्टर) यहाँ के संगठित औद्योगिक ढांचे की रीढ़ हैं। कृषि-आधारित और कुटीर उद्योगों की बात करें तो खड़गपुर और धरहरा प्रखंड के तराई क्षेत्रों में मिलने वाला लघु वनोपज (Minor Forest Produce) जैसे महुआ, चिरौंजी और सखुआ के पत्ते स्थानीय जनजातीय और ग्रामीण परिवारों की आजीविका का मुख्य साधन हैं। हाल के वर्षों में जीविका समूहों के माध्यम से भीमबांध के आसपास के गाँवों में मधुमक्खी पालन (लेमन हनी) और लेमनग्रास की खेती का एक नया क्लस्टर विकसित हुआ है, जो पारंपरिक आर्थिकी को आधुनिक रूप दे रहा है। इसके साथ ही, गंगा के मैदानी इलाकों में होने वाली चावल और गेहूं की सघन खेती स्थानीय कृषि मंडियों को निरंतर मजबूती प्रदान करती है।

भविष्य के आर्थिक रोडमैप की बात करें तो मुंगेर में 'हेरिटेज-इको टूरिज्म' और रक्षा निर्माण (Defense Manufacturing) के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। मीर कासिम के काल से चली आ रही बंदूक निर्माण की विरासत को आधुनिक 'स्मॉल आर्म्स क्लस्टर' के रूप में विकसित कर रक्षा क्षेत्र की राष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला से जोड़ा जा रहा है। मुंगेर-जमालपुर को मुंगेर गंगा रेल-सड़क पुल (श्री कृष्ण सेतु) के माध्यम से एनएच-31 से सीधे जोड़े जाने के बाद लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को एक नई गति मिली है। बिहार योग विद्यालय, चंडिका स्थान और भीमबांध वन्यजीव अभ्यारण्य के गर्म चश्मों को एक एकीकृत पर्यटन सर्किट में पिरोकर यहाँ 'वेलनेस और एडवेंचर टूरिज्म' को वैश्विक स्तर पर स्थापित किया जा सकता है, जो स्थानीय युवाओं के लिए रोज़गार का एक वृहद पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करने में पूरी तरह सक्षम है।

मुंगेर का यह अंतिम आर्थिक-सांस्कृतिक अंक यह प्रमाणित करता है कि यह जिला अपने पराक्रमी और दार्शनिक अतीत की तरह ही आधुनिक काल में भी अपनी औद्योगिक मेधा का लोहा मनवा रहा है। चंडिका स्थान के शंखनाद से लेकर जमालपुर कारखाने के भोंपू की आवाज़ तक, भीमबांध के अरण्य की शांति से लेकर गंगा दर्शन के वैश्विक योग-साधकों की ऊर्जा तक—मुंगेर ऐतिहासिक गौरव और आधुनिक आत्मनिर्भरता का एक अद्भुत ब्लूप्रिंट प्रस्तुत करता है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए इस विशिष्ट पहाड़ी-मैदानी आर्थिकी, रेल विरासत के प्रभावों और रक्षा क्लस्टर्स के इस व्यावहारिक मॉडल का यह गहन अध्ययन बिहार की आर्थिक नियति को समझने की एक अत्यंत सटीक और प्रामाणिक अंतर्दष्टि प्रदान करता है।

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

अनुभाग-9

"मेरा विद्यालय मेरी प्रतिष्ठा"
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा- 2

दैनिक जागरण
www.jagran.com

जिलास्तर की प्रतियोगिता में बगहा दो का दबदबा

- क्विज, गणित ओलंपियाड और चित्रांकन प्रतियोगिता में पांच छात्राओं ने जीता दूसरा स्थान
- बगहा दो प्रखंड के आठ विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में किया अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन

संवाद सूत्र, जागरण • वगहाः बिहार दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय गणित ओलंपियाड, क्विज प्रतियोगिता और चित्रांकन प्रतियोगिता में बगहा दो प्रखंड के छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। विभिन्न वर्गों में भाग लेने वाले विद्यार्थियों में से पांच छात्राओं ने जिला स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त कर प्रखंड का नाम रोशन किया। क्विज प्रतियोगिता में प्राथमिक विद्यालय बोदसर की छात्रा अनुष्का कुमारी ने वर्ग एक से पांच में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं मध्य विद्यालय पटखौली-मलकौली की छात्रा आराध्या कुमारी ने वर्ग छह से आठ में दूसरा स्थान हासिल किया। इसी प्रतियोगिता में प्रोजेक्ट बालिका प्लस टू विद्यालय पटखौली की छात्रा सिम्मी कुमारी ने वर्ग नौ से 12 में प्रथम स्थान के बराबर अंक प्राप्त करने के बावजूद द्वितीय स्थान हासिल किया। गणित ओलंपियाड प्रतियोगिता में मध्य विद्यालय पटखौली-मलकौली की छात्रा आशी कुमारी ने वर्ग एक से पांच में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय और प्रखंड का गौरव बढ़ाया। वहीं चित्रांकन प्रतियोगिता में प्राथमिक विद्यालय बोदसर की छात्रा निधि कुमारी ने वर्ग एक से पांच में द्वितीय स्थान हासिल किया। प्राथमिक विद्यालय बोदसर का प्रदर्शन विशेष रूप से सराहनीय रहा, जहां से दो छात्राओं ने प्रतियोगिता में भाग लिया और दोनों ने जिला स्तर पर मेडल प्राप्त कर विद्यालय का शत-प्रतिशत परिणाम दर्ज कराया। जानकारी के अनुसार बगहा दो प्रखंड से कुल आठ छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया था, जिनमें से पांच विद्यार्थियों ने जिला स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। छात्र-छात्राओं की इस उपलब्धि पर बगहा दो प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी फूदन राम ने क्षेत्र के सभी शिक्षकों और अभिभावकों ने खुशी जताई और विजेता विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

जिला में सम्मानित होते बगहा दो के शिक्षक व छात्राएं • सौ. शिक्षक

अभिभावक शिक्षक गोष्ठी में बांटे गए मूल्यांकन परिणाम

राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर मे अभिभावक शिक्षक गोष्ठी मे मेधावी छात्राओं को मेड व प्रगति पत्रक देकर सम्मानित करते प्रधानाध्यापक व शिक्षक • सौ. प्रधानाध्यापक

संवाद सूत्र, जागरण • बगहा: राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर में सोमवार को अभिभावक शिक्षक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय के छात्रों का वार्षिक मूल्यांकन परिणाम जारी कर अभिभावकों के बीच वितरित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य थीम "प्रवेश से प्रगति तक" रखा गया, जिसमें बच्चों की शैक्षणिक प्रगति पर विशेष चर्चा की गई। गोष्ठी के दौरान अभिभावकों को बच्चों की पढ़ाई, उपस्थिति और व्यवहार संबंधी जानकारी दी गई। साथ ही अभिभावकों से बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहयोग की अपील की गई। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्सा करते हुए प्रथम, द्वितीय एवं तृत स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों मेडल एवं प्रगति पत्रक दे सम्मानित किया गया। इससे ब में उत्साह का माहौल देखने मिला। विद्यालय के प्रधानाध्याप शैलेंद्र कुमार ने बताया कि विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रद करने के लिए लगातार प्रयास कि जा रहा है। उन्होंने कहा अभिभावकों और शिक्षकों सामूहिक सहयोग से ही बच्चों बेहतर भविष्य सुनिश्चित किया सकता है। इस दौरान विद्यालय शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

10-04-26

संवाद सूत्र, जागरण • बगहाः राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो का प्रांगण सोमवार को भावनाओं से सराबोर दिखा। सत्र 2025-26 के वर्ग-पांच के विद्यार्थियों का विद्यालय में अंतिम दिन एक यादगार और प्रेरणादायी क्षण बन गया। वर्षों तक जिस आंगन में बच्चों की किलकारियां गूंजती रहीं, वहीं से विदा लेते समय उनके चेहरे पर खुशी और उदासी दोनों के भाव स्पष्ट झलक रहे थे। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय परिवार द्वारा बच्चों के सम्मान के साथ हुई। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद विदाई को विशेष बनाने के लिए विद्यार्थियों ने एक सराहनीय पहल करते हुए विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया। यह दृश्य अत्यंत भावुक था। प्रधानाध्यापक शैलेंद्र कुमार ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शिक्षा विभाग, पश्चिम चम्पारण

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

बिहार दिवस-2026

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री निधि कुमारी कक्षा V
विद्यालय .... प्रखण्ड बगहा-2 जिला-प० चम्पारण ने
जिला स्तरीय बिहार दिवस प्रतियोगिता-2026 के आयोजित कार्यक्रम चित्रकला में भाग लिया
तथा द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

(गार्गी कुमारी)
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी
प्रा शि एवं समग्र शिक्षा

(रविन्द्र कुमार)
जिला शिक्षा पदाधिकारी

शिक्षा विभाग, पश्चिम चम्पारण

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

बिहार दिवस-2026

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री अनुष्का कुमारी कक्षा V
विद्यालय .... प्रखण्ड बगहा-2 जिला-प० चम्पारण ने
जिला स्तरीय बिहार दिवस प्रतियोगिता-2026 के आयोजित कार्यक्रम क्विज में भाग लिया
तथा द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

(गार्गी कुमारी)
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी
प्रा शि एवं समग्र शिक्षा
पश्चिम चम्पारण, बेतिया।

(रविन्द्र कुमार)
जिला शिक्षा पदाधिकारी
पश्चिम चम्पारण बेतिया।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org